of order under the Rules of the House.

SHRI KAMAL MORARKA: Not listening to a point of order is against the Rules of the House. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. I have not permitted you. (*Interruptions*) Please take your seat. I have allowed someone else. (*Interruptions*)

उपसभापति : आप अपनी जगह से बोलिये ।

श्री कमल मोरारका : मेरी जगह तो यही है ।

श्री महेन्द्र सिंह साठर : उपसभापति महोदया, कल बहन सुषमा जी ने स्पेशल मेंशन के तौर पर यह मामला सदन में उठाया था चेयरमैन साहब से पूरी तरह इजाजत ले कर। सारे हाऊस ने इस मामले को गम्भीर समझते हुए एसोसियेट भी किया था । आपने एक कमेंट किया था, स्टेट मिनिस्टर आफ होम बैठे थे । चेयर के कमेंट्स थे कि होम मिनिस्टर साहब बैठे हैं, वह इसकी जानकारी करेंगे । जिस तरह से उन्होंने दूसरी स्टेट्स में एट्रोसिटीज के बारे में स्टटमेंट किया है, उसी तरह से इसके बारे में भी (व्यवधान) मैं आपसे, चेयर से यह जानना चाहता हूं कि यह जो होम मिनिस्टर साहब को चेयर की तरफ से डायरेक्शन दी गई थी उस डायरेक्शन का क्या असर हुआ ? वह कब स्टेटमेंट देंगे ?

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will find out. (*Interruptions*) Please sit down.

Mr. Secretary-General will please find out from the Government that when yesterday the matter was raised in the House about some atrocities on women in Haryana the Minister of State for Home Affairs had stated that he would get the information and come to the House because immediately he could not give. So please find out and let the House be informed. (*Interruptions*).

I will allow anything, but not now.

उपसभापति : अभी आप बैठिए । अभी एट्रोसिटीज नहीं हो रही हैं। आपका नाम मेरे पास नहीं लिखा है ।

SPECIAL MENTIONS

Derogatory reference to Maulana Abdul Kalam Azad in a Doordarshan Programme

श्री मौलाना अबैदुल्ला खान आज़मी (उत्तर प्रदेश) : मैडम डिप्टी चेयरमैन साहिबा यह बड़ा ही गम्भीर मसला है और मैं अपने मुअज्जिज मेम्बरान पार्लियामेंट से आपके जरिये यह गुजारिश करूंगा कि मुल्क के सेक्युलरिज्म और मुल्क के जंगे आजादी के बहुत बड़े हीरो मौलाना अबुल कलाम आजाद की गरिमा, इज्जत और उनकी शख्सियत पर हमारे दूरदर्शन के जरिये जबर्दस्त हमला हुआ है । इस हमले की मजम्मत करने के लिए आप तमामतर लोग गोश बारावर होकर मेरी आवाज को सुनने की जहमत फरमावें ।

(श्री मौलाना अब्दुल्ला)

मैडम डिप्टी चेयरमैनसाहिबा, मैं आपके जरिये आल इंडिया दूरदर्शन के एक अफसोसनाक, निहायत गलत और खतरनाक इकदाम की तरफ मुअज्जिज मेम्बराने पार्लियामेंट और हुकूमते हिंद की तव्वजह मबजूल करवाना चाहता हूं । मैडम डिप्टी चेयरमैन साहिबा जैसा कि आपको मालूम होगा कि दूरदशन में "पार्लियामेंट क्विज" के नाम से एक प्रोग्राम शुरु किया है और इस प्रोग्राम के तहत युकम सितम्बर को तलबा और तालिबात से पूछा गया कि कांग्रेस के किस लीडर को शो ब्वाय कहा जाता था, फौरन जवाब मिला कि "मौलाना आजाद"... (व्यवधान)

हमारी आजादी का सिर ऊंचा रखने वाली शख्सियत, हिंदुस्तान के लोगों के गले से गुलामी की रस्सियां काट देने वाले मौलाना आजाद, तन के गोरे मन के काले अंग्रेजों से जिंदगी भर लड़ने वाले मौलाना आजाद, अंग्रेज समाज की कमर अपनी खितावत, अपने बयान, अपनी तहरीक के जरिये तोड़ देने वाले मौलाना आजाद, गांधी जी के अरमानों का हसीन ख्वाब मौलाना आजाद, पंडित नेहरु का बेहतरीन रफीकेकार, हिंदुस्तान की आजादी के अजीम सिम्बल, हिंदु मुस्लिम एकता के अजीम रहनुमा मौलाना आजाद जिनकी शख्सियत से हमारे मुल्क को पहचाना गया । मैडम, मैं आपके जरिये यह अर्ज करना चाहूंगा कि बहुत सारे लोग दुनियां में ऐसे पैदा होते हैं जो अपने मां बाप के नाम से पहचाने जाते हैं, अपने मुल्क के नाम से पहचाने जाते हैं, अपने महजब के नाम से पहचाने जाते हैं, अपनी तारीखी वरासत के नाम से पहचाने जाते हैं मगर मौलाना आजाद हिंदुस्तान के ऐसे नामवर फरजंद थे जिनकी वजूद से हमारे मुल्क की शराफत भी बाहर पहचानी गयी, हमारे मुल्क का कल्चर पहचाना गया, हमारे मुल्क की तारीखी सकाफत पहचानी गयी, हमारे देश की आजादी का तेवर पहचाना गया, मौलाना आजाद की शख्सियत गांधी जी के साथ रफीकेकार की हैसियत रखती थी । जब हिंदुस्तान की सर जमीन को बांटने के लिए देश दुश्मन अनासिरों ने हर तरफ की कोशिश की कि हिंदुओं और मुसलमानों को बांटा जाए, जबान के नाम पर इस मुल्क को बांटा जाए, अपर क्लास, बैकवर्ड क्लास के नाम की घृणाओं को पैदाकर इस मुल्क को बांटा जाए, उस वक्त हिंदुस्तान की सर जमीन पर एक ऐसी शख्सियत थी मौलाना आजाद जिसने रांची के जेल से अहमदनगर के जेल तक, हिंदुस्तानी वरासत को बचाने के लिए, हिंदुस्तान को मुत्तहिद रखने के लिए, बंटवारे से इस मुल्क की इज्जत और गरिमा को बचाये रखने के लिए अपने वजूद को कुरबान किया । ऐसी अजीम शख्सियत को... (व्यवधान) आप क्या कर रहे हैं । क्या मौलाना आजादी की कुरबानियों को आप फरामोश कर देंगे, क्या मौलाना आजाद की कुरबानियों का तस्किरा इस हाउस में करना जुर्म है । मैं सवाल यह कर रहा हूं कि ऐसी अजीम शख्सियत को "शो ब्वाय" कहकर आखिर हम क्या यह [illegible] अंजाम दे रहा है । अगर पाकिस्तान का दूरदर्शन मौलाना आजाद को "शो ब्वाय" कहता तो हमारे समझ में बात आती इसलिए कि मिस्टर मोहम्मद अली जिन्ना ने सबसे पहले कांग्रेस के मौलाना आजाद को शो ब्वाय कहा था । मौलाना आजाद को गाली देने के लिए यह जुमला इस्तेमाल किया गया था ... (व्यवधान)

†[مولانا مجید اللہ خاں اعظمی (اتر پردیش): میڈم ڈپٹی چیر مین صاحبہ یہ بڑا ہی گمبھیر مسئلہ ہے اور میں اپنے معزز ممبران پارلیمنٹ سے آپکے ذریعے یہ گزارش کرونگا کہ ملک کے سیکولرازم اور ملک کے جنگ آزادی کے بہت بڑے ہیرو مولانا ابوالکلام آزاد کی گریما عزت اور انکی شخصیت پر ہمارے دوردرشن کے ذریعے زبردست حملہ ہوا ہے - اس حملے کی مذمت کرنے کیلئے آپ تمام تر لوگ گرش بارآور ہو ر میری آواز کو سلنے کی زحمت فرمائیں -

میڈم - ڈپٹی چیر مین صاحبہ میں آپکے ذریعہ آل انڈیا دوردرشن کے ایک انسوسناک نہایت غلط اور خطرناک اقدام کی طرف معزز ممبران پارلیمنٹ اور حکومت ہند کی توجہ مبذول کرانا چاہتا ہوں- میڈم ڈپٹی چیر مین صاحبہ جیسا کہ آپ کو معلوم ہوگا کہ دوردرشن میں پارلیمنٹ کوئز کے نام سے ایک پروگرام شروع کیا ہے اور اس پروگرام کے تحت یکم سلمبر کو طلبا اور طالبات سے پوچھا گیا کہ کانگریس کے کس لیڈر کو شو بوائے کہا جاتا تھا - فوراً جواب ملا کہ مولانا آزاد ... (مداخلت) ...

ہماری آزادی کا سر اونچا رکھنے والی شخصیت ہندوستان کے گلے سے غلامی کی زنجیاں کاٹ دینے والے مولانا آزاد - تن کے گورے من کے کالے انگریزوں سے زندگی بھر لڑنے والے مولانا آزاد - انگریز سماج کی کمر اپنی خطابت اپنے بیان اپنی تحریک کے ذریعے توڑ دینے والے مولانا آزد - گاندھی جی کے ارمانوں کا حسین خواب مولانا آزاد - پنڈت نہرو کا بہترین رفیق کار - ہندوستان کی آزادی کے عظیم سمبل - ہندو مسلم ایکتا کے عظیم رہنما مولانا آزاد - جنگی شخصیت سے ہمارے ملک کو پہچانا گیا - میڈم میں آپکے ذریعہ یہ عرض کرنا چاہونگا کہ بہت سارے لوگ دنیا میں ایسے پیدا ہوتے ہیں جو اپنے ماں باپ کے نام سے پہچانے جاتے ہیں اپنے ملک کے نام سے پہچانے جاتے ہیں - اپنے مذہب کے نام سے پہچانے جاتے ہیں- اپنی تاریخی وراثت کے نام سے

کو متحد رکھنے کیلئے بلوارے سے
اس ملک کی عزت اور گریما کو
بچانے رکھنے کیلئے - آپنے وجود کو
قربان کیا - ایسی عظیم شخصیت
کو . . . ،، مداخلت ،، . . . آپ
کیا کر رہے ہیں - کیا مولانا آزاد کی
قربانیوں کو اب فراموش کردینگے
کیا مولانا آزاد کی قربانیوں کا تذکرہ
اس ہاؤس میں کرنا جرم ہے -
میں سوال کر رہا ہوں کہ ایسی
عظیم شخصیت کو ،، شوبرائے ،، کہکر
آخر ہمارا یہ دوردرشن کون سا
کارنامہ انجام دے رہا ہے - اگر
پاکستان کا دوردرشن مولانا آزاد کو
،،شوبرائے،، کہتا تو ہمارے سمجھ
میں بات آتی اسلئے کہ مسٹر
محمد علی جناح نے سب سے پہلے
کانگریس کے مولانا آزاد کو ،، شوبرائے ،،
کہا تھا مولانا آزاد کو گالی دینے
کیلئے یہ جملے استعمال کیا گیا
تھا - . . . ،، مداخلت ،، . . .]

[مولانا عبیداللہ خاں اعظمی :

پہچانے جاتے ہیں - مگر مولانا آزاد
ہندوستان کے ایسے نامور فرزند تھے -
جنکے وجود سے ہمارے ملک کی
شرافت بھی باہر پہچانی گئی -
ہمارے دیش کو آزادی کا تیور پہچانا
گیا - مولانا آزاد کی شخصیت گاندھی
جی کے ساتھ رفیق کار کی حیثیت
رکھتی تھی - جب ہندوستان کی
سرزمین کو بانٹنے کیلئے دیش
دشمن عناصر نے ہر طرح کی کوشش
کی کہ ہندوؤں اور مسلمانوں کو
بانٹا جائے زبان نام پر اس ملک
کو بانٹا جائے - اپر کلاس بھگوڑہ
کلاس کے نام کی کھونکوں کو پیدا
کرکے - اس ملک کو بانٹا جائے -

اس وقت ہندوستان کی سرزمین
پر ایک ایسی شخصیت تھی مولانا
آزاد - جس نے رانچی کی جیل سے
احمد نگر کی جیل سے ہندوستانی
وراثت کو بچانے کیلئے ہندوستان

डा० रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश) : सारा सदन इस पर एक है । एक राष्ट्रीय नेता का इस तरह का अपमान सारे सदन का अपमान है और इन्फारमेशन एण्ड ब्राडकास्टिंग मिनिस्टर आकर सदन से माफी मांगें ।

मौलाना अबैदुल्ला खान आजमी : इस सिलसिले में मैं यह कहना चाहता हूं कि दूरदर्शन के उन अधिकारियों को बेनकाब किया जाए । वह पूरे मुल्क से इसी तरह मुआफी मांगें... (**व्यवधान**) जिस तरह से पूरे मुल्क में मौलाना आजाद की शख्सीयत को मजरूह करने की कोशिश की गई है... (**व्यवधान**)

اس سلسلہ میں میں یہ کہنا چاہتا ہوں کہ دوردرشن کے ان ذمہ داروں کو بے نقاب کیا جائے - وہ پورے ملک سے اس طرح معافی مانگیں .. (مداخلت) .. جس طرح سے پورے ملک میں مولانا آزاد شخصیت کو مجروح کرنے کی کوشش کی گئی ہے .. (مداخلت) . .

डा० रत्नाकर पाण्डेय : टेलीविजन मिनिस्टर को आ करके सदन से मुआफी मांगनी चाहिए । मौलाना राष्ट्रीयता के प्रतीक थे ।... (**व्यवधान**)

मौलाना अबैदुल्ला खान आजमी : एक मिनट मेरी बात पहले सुन लें । ... (**व्यवधान**)

[مولانا عبیداللہ خان اعظمی :

ایک منٹ میری بات پہلے سن لیں - . . . (مداخلت) . .]

SHRI V. GOPALSAMY (Tamil Nadu): The concerned Minister should come and apologise in the House... (*Interruptions*).

डा० रत्नाकर पाण्डेय : सारे सदन से, वह आ करके मुआफी मांगे । . . . . (**व्यवधान**)

मौलाना अबैदुल्ला खान आजमी : गांधी जी को चर्चिल ने नंगा फकीर कहा था क्या हमारा दूरदर्शन गांधी जी को नंगा फकीर कहेगा ? . . . (**व्यवधान**) इसलिए मैं इस पर स्टेटमेंट चाहता हूं । आई० एंड बी० मिनिस्ट्री के मिनिस्टर यहां पर सदन में आएं और बयान दें ।

[مولانا عبیداللہ خان اعظمی :

گاندھی جی کو چرچل نے ننگا فقیر کہا تھا - کیا ہمارا دوردرشن گاندھی جی کو ننگا فقیر کہے گا . . . . . (مداخلت) . . اسلئے میں اس پر اسٹیٹمنٹ چاہتا ہوں - آئی ایںڈ بی منسٹری کے منسٹر یہاں پر سدن میں آئیں اور بیان دیں -]

उपसभापति : आर्डर प्लीज़ । शिवशंकर जी, आपका नाम मेरे पास है.... (**व्यवधान**)

SHRI V. GOPALSAMY: I want apology from the Minister. He should come and alopogise... (*Interruptions*).

SHRI P. UPENDRA (Andhra Pradesh): It was a recorded programme. Therefore, there is no question of a slip. It was intentional... (*Interruptions*).

डा० रत्नाकर पाण्डेय : इनफर्मेशन एंड ब्राडकास्टिंग मिनिस्टर यहां आकर हाउस से मुआफी मांगे । इस तरह की शब्दावली सुनने के लिए हम इस सदन में नहीं बैठे हुए हैं । इसलिए वह यहां आ करके मुआफी मांगे । . . . . (**व्यवधान**)

उपसभापति : मैंने शिव शंकर जी को एलाउ किया है । अभी आप शिवशंकर जी को बोलने दीजिए । . . . (**व्यवधान** शिव शंकर जी भी बोलना चाह रहे हैं) . . . (**व्यवधान**) आई विल एलाउ यू । आप जरा बैठिए, शिव शंकर जी बोल रहे हैं । . . . (**व्यवधान**)

डा० रत्नाकर पाण्डेय : संबंधित अधिकारी को सस्पेंड करके, टेलीविजन मिनिस्टर को यहां बुलाइये और वह सदन से मुआफी मांगे, तब यह सदन चलेगा ।

† [ ] Transliteration in Arabic script.

(डा० रत्नाकर पाण्डेय)

इस तरह से मौलाना आजाद को "शो ब्वाय" कहना भारत की उस शख्सीयत का अपमान है जिसने नेहरू जी के साथ कंधे से कंधा मिला कर काम किया है ...(व्यवधान) मौलाना आजाद को शो ब्वॉय कहना बहुत बड़ा अपमान है । इसलिए आप संबंधित मिनिस्टर को यहां बुला करके मुआफी मंगवाइये, तब यह सदन चलेगा ।

उपसभापति : आप शिव शंकर जी को तो बोलने दीजिए, वह इसी बात पर बोल रहे हैं । पहले उन्हें बोलने दीजिए । (व्यवधान) ,प शिव शंकर जी को बोलने दीजिए ।

मौलाना अब्दुल्ला खान आजमी : इस तरह की कोई बात बर्दाश्त नहीं होगी ।

[†]مولانا عبید اللہ خاں اعظمی:
اسطرح کی کوئی بات برداشت
نہیں ہوگی ۔]

उपसभापति : अभी आप बैठिए, शिव शंकर जी कुछ बोलना चाह रहे हैं ।

SHRI P. SHIV SHANKER (Gujarat): Madam, while associating myself fully with what Mr. Azmi has said, I would like to submit that what happened in Doordarshan on the first of September is a matter...

श्री बंकल "उत्साही" (उत्तर प्रदेश) : उर्दू में बोलिए, शिव शंकर जी ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: He can speak in any language.

कोई हर्ज नहीं, उनकी मर्जी जिसमें बोलना चाहें वह बोल सकते हैं ।

SHRI P. SHIV SHANKER:...of the greatest shame. This is a matter where our national heroes are sought to be denigrated in the most heinous fashion. It is a blot on the national honour, prestige and the ethos.

[ ] Transliteration in Arabic Script.

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मिनिस्टर इस्तीफा दें ।

SHRI P. SHIV SHANKER: I would like to make the submission that this cannot be tolerated by any section of the House nor any section of the nation itself. Therefore, I would urge that those officers responsible for this type of attitude and those who are responsible for this programme must be suspended immediately and disciplinary action taken against them. And the hon. Minister should come and offer apologise not only to this House but to the whole nation.

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मैडम, पूरा सदन श्री शिव शंकर जी के प्रस्ताव का समर्थन करता है ।

डा० अबरार अहमद (राजस्थान) : मैडम....

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Sikander Bakht wants to say something.

मैं आपको बोलने दूंगी । पहले मेरे पास जो नाम लिखे हुए हैं, उन नामों को हो जाने दीजिए ।

The names are there with me. Let me go according to that.

श्री सिकंदर बख्त (मध्य प्रदेश) : सदर साहिबा, पहले तो मैं खुदा का शुक्रिया अदा करता हूं कि आपकी नजरे करम इस तरफ भी हुई ।

उपसभापति : जब शोर नहीं होता तो मेरी निगाहें अच्छी जगह पर जाती हैं ।

श्री सिकंदर बख्त : असल में शोर का हिस्सा तो मैं बन नहीं सकता हूं, लेकिन इसलिए कि मैं शोर नहीं मचाता हूं, आपकी नजर मुझ पर पड़ती नहीं है ।

अच्छे खासे कर्ब के आलम में हम खड़े हुए हैं। मौलाना के बारे में जो कुछ कहा गया है वह कोई अचानक हादसा नहीं है, 44 साल से जब से यह मुल्क आजाद हुआ है, जो कुछ इस मुल्क को मौलाना को दे देना चाहिए था, वह नहीं दिया गया। उसी जेहनियत का मुजाहरा इस फिल्म की वाहियात बात कर के किया गया कि मौलाना को शो बॉय कहकर पहुंचाने जाने की कोशिश दूरदर्शन में की गयी। मैं किसी लीडर का नाम नहीं लेना चाहता, सेंटिनरीज जिस तमतराक, जिस जोर से मनायी जाती है, मौलाना को मौलाना की याद से बाबस्ता बातों को उस तमतराक से नहीं मनाया जाता। मैं यहां किसी लीडर का नाम नहीं लेना चाहता हूं जिनका कि वजूद लीडरशिप की फेहरिस्त में नहीं लिखा जाना चाहिए, उनके लिए दूरदर्शन में, रेडियो में और खुद हमारी हुकूमत की सतह पर जितने लंबे-चौड़े प्रोग्राम बनते हैं, मौलाना की तरफ से कोई वाकिफ नहीं है, यह हिंदुस्तान 1947 से पहले मौलाना दोहरी लड़ायी लड़ रहे थे। वह अंग्रेजों के खिलाफ हिंदुस्तान की आजादी की लड़ाई भी लड़ रहे थे और अपने मुल्क में जो फिरकापरस्ती का सिलसिला चल रहा था जिसने कि इस मुल्क को तकसीम करा दिया, उसकी लड़ाई भी लड़ रहे थे। मौलाना की उन तकलीकों का जवाब हम मौलाना को आज छोटा कर के हिंदुस्तान में दे रहे है, यह सख्त दर्दनाक है। मौलाना जैसे लोग तो दुनियां में हजारों साल में पैदा होते हैं, लेकिन बदकिस्मती यह है कि हमने उनको याद करते हुए भी उनको वह मुकाम नहीं दिया जो कि हिंदुस्तान को देना चाहिए था। यह बहुत अफसोसनाक है, बहुत कर्ब की बात है। मैं नाम नहीं लूंगा उन लीडरों के जिनकी तमाम यादें ऐसी तमतराक से मनायी जाती हैं और मौलाना निहायत खामोशी से दिल्ली की जामा मस्जिद में पड़े हुए हैं। क्षमा करें, मुझे आप यह आज की बात नहीं है बल्कि यह 44 साल की लापरवाही का नतीजा है जो इस शक्ल में आ सकता था।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : महोदया, मौलाना आजाद की सेंटिनरी मनायी जानी चाहिए।

उपसभापति : मनायी गयी थी।

श्री सिकन्दर बख्त : मनायी गयी थी लेकिन निहायत कमजोर और न मनायी जाना उससे बेहतर था।

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (Uttar Pradesh): Let the BJP Government do it in Uttar Pradesh.

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : महोदया, मौलाना आजाद इस देश की ऐसी महान विभूति थे जिनका कि राष्ट्रीय आंदोलन में, जो भी उस समय के नेता थे, उनसे कम योगदान नहीं रहा। वह विशेष रूप से राष्ट्रीय एकता के प्रतीक के रूप में जाने जाते हैं। यह बात सही है कि जहां वह अंग्रेजों के खिलाफ बगावत का झंडा लेकर संघर्ष कर रहे थे वहीं पर जिन्ना के खिलाफ भी वह लड़ायी लड़ने का काम कर रहे थे। इसलिए हमारी राष्ट्रीय एकता के प्रतीक, स्वाधीनता आंदोलन से जुड़े हुए जो हमारे मुद्दे थे, उनके प्रतीक के रूप में वह जाने जाते हैं। ऐसी महान विभूति जिसको कि हमें बहुत सम्मान देना चाहिए था, वहां किन्हीं कारणों से नहीं हो पाया। इस समय दूरदर्शन के माध्यम से जिस तरह से उनकी छवि को ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय गरिमा को गिराने का काम हुआ है, वह बहुत ही निंदनीय है और माननीय सदस्य श्री शिव शंकर और मौलाना आजमी ने यह सवाल उठाया है, मैं कहना चाहता हूं कि उन अफसरों को अविलंब मुअत्तिल किया जाना चाहिए और यह भी बात सही है कि माननीय मंत्री जी को सदन में आना चाहिए और उसके लिए मंत्री जी को यहां आकर के माफी मांगनी का काम करना चाहिए तभी देश और देश की जनता जानेगी कि दूरदर्शन के द्वारा ऐसे महान नेता के कद को जिस तरह से छोटा करने की कोशिश की गई, उसको हमने एक बार फिर सम्मान देने का काम किया है।

[श्री राम नरेश यादव]

इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं ।.... (व्यवधान)....

उपसभापति : इस वक्त देखिए, Let me tell the House.

मेरे पास बहुत से नाम लिखे हुए हैं । चेयरमैन साहब ने पहले ही से बहुत नाम दिए हुए हैं । अब पूरे सदन की राय तो एक ही है, इसमें दो राये नहीं हैं । तो सभी लोगों की तरफ से मैं श्री राजमोहन गांधी को और एकाध और की एलाऊ करूंगी । इसमें सभी लोग शामिल हो जाएं तो फिर हम अगले बिजनेस पर जा सकते हैं ।.... (व्यवधान).....

श्री सिकन्दर बख्त : मैडम, साहिबा, इस शो-बॉय का खाली नहीं है । मौलाना को याद करने के लिए हम मौलाना को अकसर के मुताबिक कोई प्रोग्राम हिंदुस्तान में रखना चाहते हैं या नहीं ?

डा० अबरार अहमद : मैडम, पहले सूचना प्रसारण मंत्री को यहां बुलाया जाए । ....(व्यवधान)...

SHRI V. GOPALSAMY: Where is the Minister? (*Interruptions*)

डा० रत्नाकर पाण्डेय : सूचना प्रसारण मंत्री को यहां बुलाया जाए, नहीं तो सदन नहीं चलने दिया जाएगा ।..... (व्यवधान)....

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव : (महाराष्ट्र) : मंत्री जी को सदन में बुलाया जाए और दूरदर्शन के जो भी अधिकारी इसके अंदर जिम्मेदार हैं, उनको मुअत्तल किया जाए, सस्पेंड किया जाए । ...(व्यवधान)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have got the list of names. I can read it out. (*Interruptions*)

SHRI V. GOPALSAMY: The Minister owes an apology. There is no meaning in discussing it. You adjourn the House. (*Interruptions*)

डा० रत्नाकर पाण्डेय : पहले सदन में बुलाकर माफी मंगवाइए । इस तरह का दूरदर्शन पर कहना, यह पूरे भारत का अपमान है, देश का अपमान है । मौलाना आजाद तो इस देश के, पूरे देश के नेता थे ।...(व्यवधान)...

SHRI PARVATHANENI UPENDRA: Madam, you adjourn the House as a mark of protest. (*Interruptions*)

SHRI V. GOPALSAMY: The Minister should come and apologise Unless the Minister comes here right now, you adjourn the House (*Interruptions*)

श्री बिठ्ठलराव माधवराव जाधव : यह सारे देश का अपमान है ..... (व्यवधान).....

डा. अबरार अहमद : सूचना प्रसारण मंत्री को यहां बुलाया जाए । उनको यहां आकर माफी मांगनी चाहिए ..... (व्यवधान)....

SHRI H. HANUMANTHAPPA (Karnataka): The House should be adjourned.

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मौलाना आजाद देश की आजादी में विश्वास करते थे। ....(व्यवधान)...

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल (उत्तर प्रदेश) : अब कोई मौलाना आजाद पैदा नहीं होगा; कोई गांधी पैदा नहीं होगा ।...(व्यवधान) .

[شری محمد افضل عرف م- افضل
اب کوئی مولانا آزاد پیدا نہیں ہوگا
کوئی گاندھی پیدا نہیں ہوگا....]†

SHRI MENTAY PADMANABHAM (Andhra Pradesh): Madam, there is nobody in the treasury benches to react to this. The best thing is to adjourn the House. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have called the Minister. (*Interruptions*)

† [ ] Transliteration in Arabic script.

डा० अबरार अहमद : यहां किसी बहस की जरूरत नहीं है, सूचना और प्रसारण मंत्री को सदन में बुलाया जाए ...(व्यवधान)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: The House is adjourned for five minutes.

The House then adjourned at fifty minutes past twelve of the clock.

The House re-assembled at fifty-eight minutes past twelve of the clock, The Deputy Chairman in the Chair.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have to inform Members that we had adjourned the House on their request to find out where the Minister of I & B is. The Parliamentary Affairs Minister is trying to contact him. So, if the House so agrees, now we adjourn at one o'clock. So, there is hardly any time left. (*Interruptions*)

SHRI V. GOPALSAMY: No. Unless the Minister comes and apologise, we cannot allow the House to function. Our request is very clear. (*Interruptions*)

श्री मोहम्मद जलजल उर्फ मीम अफजल मैं आपसे यह जानना चाहता हूं कि... (व्यवधान)

श्री राम नरेश यादव : ...(व्यवधान) यह सदन की कार्यवाही कैसे चलेगी ? यह सरकार की ...(व्यवधान)

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : ...(व्यवधान) पांजा जी की रेजिगनेशन देना चाहिए । ...(व्यवधान)

डा० रत्नाकर पाण्डेय । ऐसे सदन नहीं चलेगा ...(व्यवधान)

उपसभापति : मंत्री जी अभी टेलीफोन कर रहे थे, अजित पांजा जी को । उनको बोलने दीजिए वह क्या कह रहे हैं ?

Let him explain.

SHRI V. GOPALSAMY: Mr. Panja should come.

THE DEPUTY CHAIRMAN: He will tell us where Mr. Panja is.

SHRI V. GOPALSAMY: Mr. Jacob is not the Minister for Doordarshan.

THE DEPUTY CHAIRMAN: He is the Parliamentary Affairs Minister. He will tell us where Mr. Panja is.

1.00 P.M.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB): Since the Minister for Information and Broadcasting is...(*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: He is trying to tell us....

SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL: Madam, the Minister should come and explain it to us. Mr. Jacob cannot apologise on behalf of somebody else... (व्यवधान)

...दूरदर्शन इस मुल्क में फिरकापरस्ती फैला रहा है ..(व्यवधान)

श्रीमती सत्या बहिन (उत्तर प्रदेश) : मैडम, उन अधिकारियों को सस्पेंड करना चाहिए, उनको सजा मिलनी चाहिए ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: The Minister for Parliamentary Affairs will let us know because he was communicating with the...(*Interruptions*)...Please have some patience.

SHRI M. M. JACOB: I will take only two minutes...(*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just a minute. Please sit down.

SHRI M. M. JACOB: Madam, as per the expression in the House, I immediately contacted the Minister for Information and Broadcasting, Mr.

[Shri M. M. Jacob]

Ajit Kumar Panja. He in turn has immediately contacted the Director General of Doordarshan and asked him to bring back the script of the film to his office immediately. He is having a look at it... (*Interruptions*) ...

SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL: Don't do that. We have seen it with our own eyes.

SHRI MENTAY PADMANABHAM: The Minister should come to the House immediately and apologise.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: He must come to the House and apologise... (*Interruptions*) ...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Hon. Members, you are aware that on Friday, we adjourn the House at 1 o'clock. The Minister for Parliamentary Affairs is in touch with the Minister for Information and Broadcasting. He has also informed him on the telephone... (*Interruptions*) ...

SHRI V. GOPALSAMY: Is he in India?... (*Interruptions*) ...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please listen. Yes, he is in India.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : हमको स्क्रिप्ट नहीं देखनी है .. **(व्यवधान)** सारे मुल्क में प्रोग्राम दे दिया . **(व्यवधान)** दूरदर्शन का यह मामला उठाया जा रहा है ... **(व्यवधान)** वह अखबार में छप गया ... **(व्यवधान)** दूरदर्शन के डी० जी० से स्क्रिप्ट लेकर चैक करेंगे ... **(व्यवधान)**

उपसभापति : आप मेरी बात तो पूरी होने दीजिए ...एक मिनट बात तो सुनिए ... **(व्यवधान)**

Mr. Afzal, please go back to your seat... (*Interruptions*) ...Just a minute. If you are serious about the issue, please take it seriously... (*Interruptions*) ...You have expressed your sentiments. The entire House has expressed its sentiments. It is not a small matter and nobody should take political advantage out of it. It is a matter relating to the freedom fighter who laid down his life for the cause of the country. The Minister for Parliamentary Affairs is serious about it because he is also an Indian. He is proud of our freedom fighters. He is finding out the facts from the Minister for Information and Broadcasting. The Minister for Information and Broadcasting cannot be produced in one minute here. I have to adjourn the House. Let him come at the earliest possible time and explain it to the House.

SOME HON. MEMBERS: He can come at 2.30 P.M. and explain.

डा० अबरार अहमद : सब लोग देख चुके हैं, उसके बाद स्क्रिप्ट मांगी जा रही है ... **(व्यवधान)** हाउस के अंदर इतनी देर से यह बात उठ रही है तब जाकर स्क्रिप्ट मांग रहे हैं ... **(व्यवधान)** सारे अखबारों में यह खबर छपी है । चार दिन बाद यह मंत्री स्क्रिप्ट मांग रहे हैं ... **(व्यवधान)**

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव: मिनिस्टर बयान कब दे सकते हैं ?

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am sure, Mr. Jacob will get all the information from the Minister for Information and Broadcasting. So, let us adjourn the House for lunch till 2.30 P.M... (*Interruptions*) ...We have the whole day today. Before the House adjourns in the evening, they will give us some information. The House is adjourned for lunch till 2.30 P.M.

The House then adjourned for lunch at five minutes past one of the clock.

The House re-assembled after lunch at thirty-one minutes past two of the clock, **the Deputy Chairman** in the Chair.

DR. RATNAKAR PANDEY: Madam, we are happy that you managed to make the hon. Minister present here physically.

THE DEPUTY CHAIRMAN: The Minister has managed on his own. (*Interruptions*).

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : मैडम, मैं गुजारिश करूंगा कि यह बहुत ही सीरियस मामला है । अगर मिनिस्टर साहब समझते हैं कि ऐसा हुआ है तो उनकी मॉरल ड्यूटी है कि वह रिजाइन कर दें । इससे उनका मान-सम्मान बढ़ेगा ... (**व्यवधान**)

[شری محمد افضل عرف م- افضل: میڈم--میں گزارش کروںگا کہ یہ بہت ہی سیریس معاملہ ہے - اگر منسٹر صاحب سمجھتے ہیں کہ ایسا ہوا ہے تو انکی مورل ڈیوٹی ہے کہ وہ ریزائن کردیں - اس سے انکا مان سمان بڑھے گا ..(مداخلت)]

उपसभापति : एक मिनट प्लीज । अगर रैजिगनेशन से ... (**व्यवधान**)

डा. रत्नाकर पाण्डेय : मिनिस्टर : है कटक से अभी ।

उपसभापति : पाण्डेय जी, जरा एक मिनिट रूकिए । पहले मेरी बात तो सुनिए ... (**व्यवधान**) आप तशरीफ रखिए । पहले आराम से, सुकून से मेरी बात सुनिए । मंत्री जी आ गए हैं । मैं आपको बताऊं उनको बुखार था, वह घर में लेटे थे मगर इस मसले की सीरियसनेस को देखते हुए वह हाउस में आए हैं ।

हमारा प्राइवेट मैंबर्स का बिजनैस ढ़ाई बजे शुरू होता है । मंत्री जी मौजूद हैं और दयान लेकर आए हैं । अगर हाऊस की यह मरजी है कि वह अभी बयान दें दे तो ... (**व्यवधान**) एक मिनट ... आप खुदा के वास्ते पूरी बात तो सुना करो । आप तो खड़े हो जाते हैं इस तरह से । मेरी बात पूरी हो जाय फिर आपको जो कहना है, कहिए । हम लोग प्राइवेट मैंबर्स के बिजनैस में एनक्रोच नहीं करते हैं । अगर हाऊस इस बात पर एग्री करे कि मंत्री जी औ अभी बोलें और ढाई घंटे में से जितना समय अभी लगे । वह समय बाद में बढ़ा दें क्योंकि प्राइवेट मैंबर्स के काम को हम कम नहीं करना चाहते । मेरी आपसे गुजारिश है कि आप लोग सोच लीजिए । अगर पूरा हाऊस चाहता है कि मंत्री जी अभी बोल दें तो अभी बोल देंगे और अगर आप चाहें तो वह मंडे को बोल देंगे ।

कुछ माननीय सदस्य : अभी ... (**व्यवधान**)

उपसभापति : पार्लियामेंटरी मिनिस्टर साहब का एक बिजनैस है, उसे पहले पूरा कर दें ... (**व्यवधान**) एक मिनट, जरा पार्लियामेंटरी मिनिस्टर साहब अपना बिजनेस ले कर दें ... (**व्यवधान**) मैं अभी आपके मसले पर आती हूं, पहले जरा यह बिजनेस लेने दीजिए ।

ANNOUNCEMENT RE. GOVERNMENT BUSINESS FOR THE REMAINING PERIOD OF THE SESSION

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB): Madam, with your permission I rise to announce that Government business for the remaining period of the Session will consist of:

1. Consideration and passing/return of the following Bills as passed by Lok Sabha:—

(a) The Appropriation (No. 4) Bill, 1991.

(b) The places of Worship (Special Provisions) Bill, 1991.

(c) The Special Protection Group (Amendment) Bill, 1991.

(d) The Central Excises and Customs Laws (Amendment) Bill, 1991.

(e) The Remittances of Foreign Exchange and Investment in Foreign

† [ ] Transliteration in Arabic Script.